भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2646
11 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

देश में कैंसर के मामले

2646. श्री गोला बाबूरावः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या लैंसेट के एक अध्ययन के अनुसार देश में कैंसर के मामले वर्ष 1990 में प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर 84.8 से बढ़कर वर्ष 2023 में प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर 107 हो गए हैं, जो 15 लाख मामलों के बराबर है, जबकि वैश्विक स्तर पर ये मामले 220.6 / प्रति लाख से घटकर वर्ष 2023 में 205 हो गए हैं;

(ख) देश में कैंसर से मृत्यु-दर वर्ष 1990 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 71.7 से बढ़कर वर्ष 2023 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 87 हो जाने के क्या कारण हैं, जिसका अर्थ है कि लगभग 12.1 लाख लोगों की मृत्यु हुई हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर मृत्यु-दर वर्ष 1990 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 150.7 से घटकर वर्ष 2023 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 114 हो गई है;

(ग) वर्ष 2024 और वर्ष 2025 के दौरान देश में कैंसर के मामलों तथा इसके कारण होने वाली मृत्यु-दर का ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश की स्वास्थ्य देखरेख प्रणालियों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ एवं सक्षम बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया है कि 'द लैंसेट' में छपी 'ग्लोबल बर्डन ऑफ़ डिज़ीज़ (GBD) 2023 कैंसर स्टडी' के अनुसार, 1990 और 2023 के बीच दुनिया भर में उम्र के हिसाब से स्टैंडर्डाइज़्ड कैंसर होने की दर में 7.1% की कमी आई है - यह दर प्रति 1,00,000 आबादी पर अनुमानित 220.6 से घटकर 205.1 हो गई है। इसके उलट, वर्ल्ड बैंक के 'लोअर-मिडल-इनकम' (कम-मध्यम आय वाले) देशों के ग्रुप में, जिसमें भारत भी शामिल है , इसी दौरान उम्र के हिसाब से स्टैंडर्डाइज़्ड कैंसर होने की दर में 28.6% की बढ़ोतरी दर्ज की गई; यह दर प्रति 1,00,000 आबादी पर लगभग 97.8 से बढ़कर 125.7 हो गई। भारत देश के लिए विशिष्ट अनुमान - जो इसी GBD 2023 डेटासेट पर आधारित हैं और

जिनमें 1990 से 2023 के बीच प्रति 1,00,000 आबादी पर कैंसर के मामलों में 84.8 से 107.2 तक की बढ़ोतरी (यानी 26.4% की वृद्धि) और 2023 में कैंसर के अनुमानित 15 लाख नए मामलों की बात कही गई है - वे छपे हुए जर्नल आर्टिकल के बजाय GBD रिज़ल्ट्स टूल (इस स्टडी के साथ जुड़ा ऑनलाइन सप्लीमेंट्री डेटाबेस) से लिए गए हैं।

(ख): आईसीएमआर ने आगे बताया है कि द लैंसेट जीबीडी 2023 अध्ययन ने सुझाव दिया है कि 1990 और 2023 के बीच वैश्विक आयु-मानकीकृत कैंसर मृत्यु दर में लगभग 24 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह सुधार मुख्य रूप से उच्च आय और उच्च-मध्यम आय वाले देशों में केंद्रित था। कई निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों में कैंसर नियंत्रण के सीमित बुनियादी ढांचे और स्क्रीनिंग, निदान एवं उपचार सेवाओं तक असमान पहुंच के कारण मृत्यु दर में वृद्धि जारी है। अध्ययन में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि कैंसर से होने वाली मौतों का एक बड़ा हिस्सा परिवर्तनीय जोखिमों के कारण हैं जिसमें तंबाकू का उपयोग, अस्वास्थ्यकर आहार, शराब की खपत और चयापचय संबंधी जोखिम शामिल है, और ये रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और व्यापक कैंसर देखभाल को सुदृढ़ करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कैंसर के मृत्यु दर में बढ़ोत्तरी जनसंख्या वृद्धि, उम्रदराज लोगों की बढ़ती जनसंख्या, कैंसर के जोखिम कारकों के बढ़ते प्रसार और सामान्य कैंसर के मामलों की बढ़ती संख्या के संयुक्त प्रभाव को दर्शाती है, साथ ही इसमें विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में प्रारंभिक निदान, समय पर उपचार और गुणवत्तापूर्ण कैंसर देखभाल के समान अवसर की निरंतर चुनौतियां भी शामिल हैं।

(ग): 2024 से 2025 के दौरान देश में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या के बारे में आईसीएमआर - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नॉनकम्युनिकेबल डिजीज एपिडेमियोलॉजी (आईसीएमआर-एनआईएनई) द्वारा उपलब्ध कराया गया राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

(घ): भारत सरकार ने गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत 2014 से टर्शरी केयर कैंसर फैसिलिटिज स्कीम को सुदृढ़ करने के लिए योजना को लागू किया है। एनसीडी के बढ़ते प्रसार को देखते हुए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सार्वभौमिक जांच करने के लिए 2025 में एनसीडी जांच अभियान शुरू किया। यह अभियान एनपी-एनसीडी के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में देश भर में संचालित है।

*****

अनुलग्नक

2024 से 2025 के दौरान भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार ब्यौरा (स्रोत: आईसीएमआर - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नॉन कम्युनिकेबल डिज़ीज़ एपिडेमियोलॉजी (आईसीएमआर-एनआईएनई))		
राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	**2024**	**2025**
जम्मू एवं कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र	14112	14493
लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र	318	326
हिमाचल प्रदेश	9566	9761
पंजाब	42288	43196
चंडीगढ़	1152	1183
उत्तराखंड	12642	12947
हरियाणा	32513	33395
दिल्ली	28387	29238
राजस्थान	78604	80628
उत्तर प्रदेश	221000	226125
बिहार	115123	118136
सिक्किम	561	590
अरुणाचल प्रदेश	1143	1176
नगालैंड	1935	1992
मणिपुर	2250	2315
मिजोरम	2114	2189
त्रिपुरा	2871	2930
मेघालय	3168	3245
असम	41713	42694
पश्चिम बंगाल	118910	121639
झारखंड	37824	38819
ओडिशा	55335	56514
छत्तीसगढ़	30763	31553
मध्य प्रदेश	86124	88297
गुजरात	77205	79217
दमन	173	188
दादरा और नगर हवेली	268	291
महाराष्ट्र	127512	130465
तेलंगाना	52334	53565
आंध्र प्रदेश	76708	78282
कर्नाटक	94832	97130
गोवा	1783	1817
लक्षद्वीप	32	33
केरल	61175	62179
तमिलनाडु	98386	100937
पुडुचेरी	1823	1892
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	408	416
कुल	**1533055**	**1569793**

*****